भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 549

शुक्रवार, 5 फरवरी, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में गिरावट

549 श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क): क्या यह सच है कि वर्ष 2009-2014 की अवधि की तुलना में 'मेक इन इंडिया' अभियान के प्रारंभ से देश में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रतिशत के रूप में कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की आवक में वास्तव में गिरावट आई है;

(ख): यदि हाँ, तो क्या 'मेक इन इंडिया' अभियान एफडीआई लाने में काफी हद तक सफल रहा है;

(ग): संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के अनुसार वर्ष 2020 के पूर्वार्द्ध में विश्व स्तर पर एफडीआई की आवक में 49 प्रतिशत की गिरावट आई, तो क्या सरकार कोविड के पश्चात अभियान को समाप्त करने का विचार रखती है क्योंकि यह अभियान और अधिक एफडीआई लाने में असफल साबित हुआ है; और

(घ): यदि नहीं, तो इसे जारी रखने के क्या कारण है?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री सोम प्रकाश)

(क): जी नहीं**,** जीडीपी के प्रतिशत के रूप में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) अंतर्वाह 2.21% से बढ़कर 2.41% हो गया है। इसका ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कुल एफडीआई अंतर्वाह (करोड़ रुपए में)	जीडीपी के प्रतिशत के रूप में एफडीआई अंतर्वाह
2009-10 से 2013-14	9,69,361	2.21%
2014-15 से 2018-19	18,70,616	2.41%

(ख) से (घ): मेक इन इंडिया' पहल को निवेश को आसान बनाने, नवप्रयोग को पोषित करने, सर्वोत्तम स्तर की अवसंरचना का निर्माण करने और भारत को विनिर्माण, डिजाइन और नवप्रयोग का हब बनाने के उद्देश्य से 25 सितम्बर, 2014 में शुरू किया गया था। सशक्त विनिर्माण क्षेत्र का विकास भारत सरकार की प्रमुख प्राथमिकता बनी हुई है। यह 'वोकल फॉर लोकल' पहलों में अपनी तरह का पहला प्रयास था जिसने विश्व को भारत के विनिर्माण क्षेत्र से परिचित कराया। इस क्षेत्र में न सिर्फ आर्थिक वृद्धि को उच्चतर स्तर तक ले जाने की बल्कि इसमें हमारे युवा श्रम बल को बड़े पैमाने पर रोजगार प्रदान करने की भी क्षमता है।

वर्ष 2020 में एफडीआई के वैश्विक प्रवाह में कमी के संबंध में अंकटाड की सूचना के बावजूद, अप्रैल से नवंबर, 2020 के दौरान 4,35,231 करोड़ रुपए (अनंतिम आंकड़े) का कुल एफडीआई अंतर्वाह दर्ज किया जो कि किसी वित्तीय वर्ष के पहले 8 माह हेतु सर्वाधिक है और यह वित्त वर्ष 2019-20 के पहले 8 माह की तुलना में 30% अधिक है (3,33,801 करोड़ रूपए)।

*****